भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)
11 अशोक रोड, नई दिल्ली–110001
दूरभाष–23382234 / 35 फैक्स– 23782163

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा
बुधवार, 19 दिसम्बर 2007 को जारी प्रेस वक्तव्य

कांग्रेस व वामपंथी दल धोखाधड़ी, फरेब व झूठ की कला में माहिर हैं। दोनों दल भाजपा पर उन अपराधों का आरोप लगाती हैं, जिनमें वे खुद लिप्त हैं। यहां 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत पूर्णतया चरितार्थ होती है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी व माकपा नेता श्री सीताराम येचुरी द्वारा दिया गया बयान इस कहावत से पूर्णतया मेल खाता है। भाजपा, इन दोनों नेताओं द्वारा भाजपा पर लगाए गए आधारहीन आरोप की निंदा करती है।

चुनाव आचार संहिता के उल्लघंन के मामले में श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा दिए गए जबाव में उन्होंने एक बार फिर भाजपा व नरेंद्र मोदी पर 'भय व मौत का सौदागर' का आरोप लगाया है। इन शब्दों पर पांच बार 'फ्लिप–फ्लाप' (आगा–पीछा) यह दर्शाता है कि कांग्रेस खेमा काफी दुविधाग्रस्त है। पहला कि कांग्रेस ने कहा कि उसने इस शब्द का इस्तेमाल ही नहीं किया है। बाद में उसने यह कहा कि यह पुलिस के लिए था, न कि मोदी के लिए। बाद में वह दूसरी व्याख्या लेकर आए और कहा कि यह सिर्फ मोदी के लिए था। बाद में यह सफाई दी गई कि यह व्यवस्था के लिए इस्तेमाल किया गया था, न कि मोदी के लिए। अंत में अब वे यह कह रहे हैं कि यह मोदी व व्यवस्था दोनों के लिए था।

पार्टी, जो 1984 के सिक्ख सांप्रदायिक नरसंहार के लिए जिम्मेदार है, जिसने 1975 में आपातकाल के दौरान जबरन नसबंदी व नृशंस हत्या करवाई, भागलपुर दंगें में हजारों अल्पसंख्यकों की हत्या हुई, जिसने चुनावी फायदे के लिए विभिन्न राज्यों में माओवादियों के साथ गुप्त समझौता किए और पंजाब में सैकड़ों फर्जी मुठभेड़ की हैं, उसे दूसरों पर मानवाधिकार के उल्लंधन का आरोप लगाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

सीबीआई की रिपोर्ट है कि माकपा के कैडर नंदीग्राम की हिंसा के गवाहों को प्रताड़ित व आतंकित कर रहे हैं। यह प्रमाणित करता है कि राज्य सरकार उस सच को दबा रही है, जिसका खुलासा होना चाहिए। भाजपा, सीबीआई की सही जांच के लिए नंदीग्राम पीड़ितों की पूर्ण सुरक्षा की मांग करती है। अतः वहां से स्थानीय पुलिस को हटाया जाना चाहिए और उस क्षेत्र को जांच पूरी होने तक केंद्रीय बलों के नियंत्रण में रखना चाहिए। जब तक ये कदम नहीं उठाए जाते हैं, सत्यता सामने नहीं आ सकती। मृतकों की खुदी कब्रें, इस तरह के कठोर कदम उठाए जाने के लिए पर्याप्त कारण हैं।

अपने इतने भयावह पिछले रिकार्ड होने के बावजूद माकपा नेता सीताराम येचुरी बड़ी बेशर्मी के साथ भाजपा पर माओवादियों के साथ सांठगांठ करने का झूठा आरोप लगा कर रहे हैं। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि माकपा ने ही माओवादियों तथा नेपाल सरकार के बीच समझौता करवाया। माकपा का चेहरा तस्लीमा प्रकरण में भी ठीक उसी तरह से मुस्लिम कट्टर पंथियों के सामने घुटना टेकने पर बेनकाब हो गया, जिस तरह से कांग्रेस शाहबानों मामले में इन शक्तियों के सामने घुटना टेककर बेनकाब हुई थी।

(श्याम जाजू)
कार्यालय प्रभारी

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com